is strengthened with adequate staff especially with a network of engineering expertise and back up of funds to help preserve the assets and achieving the targets envisaged in the Sixth Five Year Plan in this sphere of work.

(iv) Demand to declare people of Vimukta Jati (Tapriwas) as Scheduled Tribes

श्री मनीराम बागड़ी (हिसार) : उपाध्यक्ष महोदय, 8 करोड़ विमुक्त जाति के लोग भारत में रहते हैं। अरसे से मांग कर रहे हैं कि उनको विमुक्त जाति करार दिया जाए क्योंकि हरिजन जाति के उनको कोई विशेष अधिकार नहीं दिये जा रहे हैं। ये विमुक्त जातियां हैं राय, बाजीगर, गड़रिया, सिक्लीगर, अहेड़ी, नायक, कूचिया सांसी, बावरिया इत्यादि। ये 193 जातियां हैं पंजाब व हरियाणा हाई कोर्ट ने 8 नवम्बर, 1982 को इनके हक में फैसला दिया कि इनको विमुक्त जाति में शामिल किया जाय। लेकिन यह फैसला अभी तक लागू नहीं किया गया है। अखिल भारतीय टपरीवासी संघ ने राष्ट्रपति, प्रधानमन्त्री, गृह मन्त्री से बार-बार इसके लिए मुलाकात की और उन्होंने उनको विश्वास भी दिलाया, परन्तु अभी तक उनकी मांग मानी नहीं गई है जिसके लिए अब वह संघर्ष का रास्ता अपना रहे हैं और वोट क्लब पर धरना व भूख हड़ताल दे रखा है।

यह सरकार का धर्म है कि वह तुरन्त इनको मांगों को स्वीकार करे और इनको विमुक्त जाति में शामिल कर के राहत दे।

(v) Non-use of Hindi in Writing names of roads etc. in Hyderabad and Secunderabad

श्री चन्द्रपाल शैलानी (हाथरस) : उपाध्यक्ष जी, इन दिनों आन्ध्र प्रदेश की राजधानी हैदराबाद तथा सिकन्द्राबाद की सड़कों तथा गलियों में लगे हुए बोर्डों पर नगर निगम नये सिरे से मोहल्लों तथा बाजारों के नाम लिखवा रही है। यह पहला अवसर है जबकि आन्ध्र प्रदेश के मोहल्ला सूचक फलकों से हिन्दी गायब की गई है। केवल तेलगू, अंग्रेजी और उर्दू का उपयोग किया जा रहा है। हैदराबाद नगर निगम आरम्भ से साइन बोर्डों पर ही नहीं, अपने सभी कार्यों में हिन्दी का उपयोग करता रहा है। जब निगम जन प्रतिनिधियों के हाथ में था, हिन्दी भाषी सदस्यों को बैठकों का विवरण भी हिन्दी में मिलता था। शहर में सात लाख से अधिक हिन्दी भाषी बसते हैं।

यही नहीं, शहर में दिखाई जाने वाली हिन्दी फिल्मों के साइन बोर्डों से भी हिन्दी गायब कर दी गई है और इसी प्रकार सभी स्थानों पर, जहां हिन्दी में नाम लिखे हुए थे, उनको मिटा दिया गया है।

श्रीमान्, यह बड़ी भयावह स्थिति है जिसके कारण हिन्दी भाषी लोगों में बड़ा रोष और असन्तोष व्याप्त है। मेरा केन्द्रीय सरकार से अनुरोध है कि वह इस मामले में हस्तक्षेप करके हिन्दी को अपना सम्मानपूर्ण यथास्थान दिलाए।

(vi) Special Postal Stamp to Commemorate the fourteen hundred Birth Centenary of Hazrat Imam Hussain

SHRI RAMAVATAR SHASTRI (Patna) : The 14 hundred birth Centenary of Hazrat Imam Hussain comes off on May 5, 1984. Everybody is aware that Imam Hussain made the supreme sacrifice in the fields of Karbala for the sake of justice and truth. He is remembered by mankind for his preaching of universal brotherhood and human values.

On the occasion of the 14th hundred Birth Centenary of Hazrat Imam Hussain, the Central Government should issue a Special Postal Stamp to commemorate his memory and sacrifice for human kind. Of course, this gesture of the Government will cement the unity of people believing in all religions and make the bonds of secularism more strong.

I would urge the Government to consider this proposal with all seriousness and do the needful for issuing special postal stamps in his name.